

सूरसागर

85

19

आठवों संख्या

कथावाचस्पति पं० राधेश्याम वानप्रस्थी के सदुद्योग तथा हैदराबाद ( दक्षिण ) निवासी  
श्रीमान् राजा पन्नालाल वंशीलाल पा. के दान से प्रकाशित



८९९.२२

सूरसागर

नागरीप्रचारिणी सभा, काशी